HKSMQUD

संकलित परीक्षा – I (2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा – X

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न–पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड–क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

मनुष्य आत्मनिरीक्षण से परहेज करता है। स्वयं को छोड़कर दुनिया को देखने, सुनने एवं समझने में अपना अमूल्य समय गवाँ देता है। फलत:, वह विपन्न होता जाता है। अंतत:, वह बिल्कुल खोखला हो जाता है। परन्तु, उसे अपना खोखलापन कभी महसूस नहीं होता है। वह सदैव इस भ्रम में जीता है कि मैं सबसे अच्छा हूँ – श्रेष्ठ हूँ। यह आत्ममुग्धता की स्थिति है। जब अपने को वरेण्य, सुंदर और श्रेष्ठ मान लिया जाए, तो कुछ करने को शेष नहीं रह जाता है। शेष रह जाता है, तो हर समय कुछ–न–कुछ कहते रहना–आत्मविज्ञापन या आत्मप्रचार करते रहना। वह सिर्फ़ अपनी आकांक्षाओं को महत्त्व देता है।

पर आवश्यक यह है कि हम प्रतिदिन शाम को बैठकर एकांत में अपने मन को टटोलें कि आज मैंने क्या गलती की, किससे क्या बोला, उसे कैसा लगा होगा ? यदि झगड़ा हो गया तो दोषी कौन था, आदि ?'' एक व्यापारी भी दिनभर की आय, लागत और बचत का हिसाब लगाता है। वस्तुत: आत्म–निरीक्षण भी वही है।

(i) मनुष्य के विपन्न और दुखी होने का कारण है उसका, —

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(क) मन में खोखलापन महसूस करना।

(ख) आत्ममुग्ध रहना।

(ग) स्वयं को सबसे श्रेष्ठ तथा सुंदर मानने का भ्रम।

(घ) दुनिया के लोगों की सोचने, समझने में समय गँवाना।

(ii) मनुष्य के मन में आत्म-निरीक्षण के अभाव में बने रहने वाला भ्रम होता है, —

(क) स्वयं को खोखला मानने का।

(ख) स्वयं की कमी देखकर भी खुश होने का।

(ग) स्वयं को श्रेष्ठ, उत्तम व वरेण्य समझते रहने का।

(घ) आत्म प्रकाशन से ख्याति प्राप्ति का

(iii) खुद को वरेण्य, सुंदर तथा श्रेष्ठ मानते रहने की दशा में व्यक्ति के पास एक ही काम रहता है —

(क) जगह-जगह बैठने का।

(ख) झूठी चुगली करने का।

(ग) हर समय आत्मप्रचार का।

(घ) पुस्तकें पढ़ते रहने का।

(iv) स्वयं शाम को एकांत में बैठकर दिनभर की बातों पर मन को टटोलने को माना जा सकता है, —

(क) आत्म-विज्ञापन

(ख) आत्म-प्रकाशन

(ग) आत्म-निरीक्षण

(घ) आत्म-बोध

(v) आत्मनिरीक्षक की तुलना व्यापारी से की गई है क्योंकि दोनों ही —

(क) व्यस्त रहते हैं।

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(ख) ग्राहकों से व्यवहार करते हैं।

(ग) दिनभर के हानि–लाभ का हिसाब रखते हैं।

(घ) दिनभर अपना–अपना व्यवसाय करते हैं।

2 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए—** 5

शोध करने के लिए शोधकर्ताओं ने दो स्तरों पर अलग–अलग शोध किया। पहले शोध के दौरान 332 लोगों से सवाल जवाब किए गए। इसमें ईसाई और यहूदी समुदाय के लोग शामिल थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग ईश्वर में यकीन करते हैं, उनके मन में जीवन की अनिश्चितताओं को लेकर चिंता कम रहती है। साथ ही उनमें सहनशक्ति भी अधिक होती है। नास्तिक प्रवृत्ति के लोगों के साथ ऐसा नहीं होता और वे अधिक घबराते हैं। दूसरे अध्ययन में 125 लोगों को दो सप्ताह के एक धार्मिक आध्यात्मिक कार्यक्रम में भाग लेने को बुलाया जहाँ पर उनको ईश्र्वर में यकीन रखने के लिए वीडियो फिल्म दिखाई गई। दो सप्ताह के बाद हुए अध्ययन में इन प्रतिभागियों ने माना कि उनके मन में भी जीवन को लेकर लगातार चलने वाली उथल–पुथल कुछ कम हुई है। जीने व आगे बढ़ने की शक्ति मिली है। चिकित्सकों के मुताबिक इस शोध से यह साबित होता है कि धार्मिक व आध्यात्मिक आस्थाएँ हमारे मन पर इतना सकारात्मक असर डालती हैं कि जीवन को जीने और देखने के हमारे नजरिए में बदलाव आ सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक धार्मिक आस्थाओं और विश्र्वास से मनुष्य के जीवन में एक मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है। आध्यात्मिक विकास कार्यक्रम व्यक्ति को मानसिक व भावनात्मक रूप से सशक्त करने का एक माध्यम है, जिससे वह अपने जीवन का विकास कर सके। इसमें आस्थाएँ बड़ी प्रबल होती है।

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

(i) 'आस्तिक' का तात्पर्य है —

(क) जो आस्थावान है। (ख) जो पूजा करता है।

(ग) जो ईश्र्वर को मानता है। (घ) जो हिंदू है।

(ii) पहले शोध में सम्मिलित ईसाई और यहूदी समुदाय के लोगों से चर्चा का निष्कर्ष यह निकला कि —

(क) आस्तिक जीवन में कम चिंतित रहते हैं।

(ख) नास्तिक सहनशील होते हैं।

(ग) आस्तिक जीवन की परवाह करते हैं।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(घ) सभी लोग जीवन में समस्याओं से डरते हैं।

(iii) दूसरे स्तर पर किए गए शोध के अनुसार —

(क) फिल्म से कुछ भी ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ।

(ख) फिल्म बेकार थी।

(ग) उन्हें जीने और आगे बढ़ने की शक्ति मिलने के साथ उनका चिंतित रहना कम हुआ।

(घ) उनकी चिंताएँ कम हुई हैं।

(iv) 'इसमें आस्थाएँ बड़ी प्रबल होती हैं।' उपर्युक्त वाक्य है —

(क) सरल (ख) प्रबल (ग) संयुक्त (घ) मिश्र

(v) 'नास्तिक' व्यक्ति की यह विशेषता होती है कि वह —

(क) ईश्वराधीन रहता है।

(ख) ईश्वर से प्रेम करता है।

(ग) ईश्वर और भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता।

(घ) प्रतिदिन कीर्तन तथा भजन करता रहता है।

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

3 **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

सब कुछ तुझे निछावर कर दूँ

कवि ! तुम ऐसा गीत लिखो तो

जीवन और मरण की अविदित

अविगत कथा विनीत लिखो तो

मन के गलियारों में महके

उनकी यादों की गुलमेंहदी

हिन्दी के सरवर में चहके

लेखक का पंछी समदर्शी

सहज समादृत उनकी छाया

फैले शब्दों के आंगन में

मानवता के खालीपन में

भाषा का संगीत लिखो तो

अक्षर की हर शिल्पकला के

जहाँ सजे हों पावन पत्थर

कमलयुक्त कुछ फूल खिले हों

विकसित हो साहित्य सरोवर

स्वयं अमावस की दीवर पर

दीप जलाने रचना आये

अंतस के उद्‌विग्न पटल पर

हलचल के विपरीत लिखो तो

आदर की आँखों में बदरी

जब धड़कन थी शमित हो गई

शृंगारों की झनक-झनक-झन

हर अभिरक्षा चकित हो गई

एक अनिश्चय की वह निश्चिति

मन उपवन वीरान कर गई

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

बहुत दिनों से चले आ रहे

कटु प्रचलन पर जीत लिखो तो।

(i) कवि उस गीत पर सबकुछ निछावर करने को तैयार नहीं है जो,-

(क) जीवन-मरण का रहस्य बताए (ख) मन को आनन्द प्रदान करे

(ग) मन में भेद-भाव जगाएँ (घ) समदर्शी विचारों का प्रचार-प्रसार करे

(ii) 'अंतस के उद्विग्न पटल पर हलचल के विपरीत लिखो तो, का आशय है,-

(क) कवि का गीत मन को चैन देनेवाला हो

(ख) व्याकुल मन को शान्त करने वाला हो

(ग) हृदय को आनन्दमग्न करने वाला हो

(घ) चित्त में क्रान्ति जगाने वाला हो

(iii) 'बहुत दिनों से चले आ रहे कटु प्रचलन' का भाव है,-

(क) पुरानी परम्पराएँ (ख) समयानुकूल पुरानी परम्पराएँ

(ग) पुरानी कुरीतियाँ (घ) घातक, निन्दनीय रूढ़ियाँ

(iv) 'स्वयं अमावस की दीवर पर दीप जलाने रचना आये' का भाव है,-

(क) रचना अन्धेरे में प्रकाश का संचार करे

(ख) अन्धकार का विनाश करे

(ग) निराश जीवन में आशा का दीप जला दे

(घ) निर्धनता का निराकरण कर धनिकता प्रदान कर दे

(v) ''विकसित हो साहित्य सरोवर'' में अलंकार है,-

(क) रूपक (ख) यमक

(ग) श्लेष (घ) उपमा

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

4	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।**	5
	अहा ! उजाला, अहा ! उजाला। जगमग-जगमग जग है सारा, बाहर भीतर है उजियारा, कहाँ गया काला अँधियारा ? जीवन का अब रंग निराला। सुख के सपने आज फले हैं, घर-घर जगमग दीप जले हैं, आशा और उमंग पले हैं, आज हुआ है मन मतवाला। नर नारी सब सजे-धजे हैं, बाजे चारों ओर बजे हैं, और पटाखे भी गरजे हैं, रंगबिरंगी लड़ियाँ-माला। सुख-समृद्धिमय होगा जीवन, लक्ष्मीजी का हुआ आगमन, सभी करेंगे अब आराधन, जीवन को जगमग कर डाला। (i) कवि को जीवन का रंग निराला क्यों लग रहा है ?	

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(क) उसके दु:ख दूर हो गए हैं (ख) उसके सुख के सपने साकार हो गए हैं

(ग) उसका जीवन संपन्न हो गया है (घ) उसकी आशा फलीभूत हो गई है

(ii) कवि के मन के मतवाले होने का कारण है,–

(क) विविध व्यंजनों का स्वाद लेना। (ख) घर–घर दीपों का जगमगाना।

(ग) अंधकार का मिट जाना। (घ) सर्वत्र प्रकाश का साम्राज्य होना।

(iii) इस अवसर पर आराधना तथा पूजा होगी,–

(क) भारत माता की (ख) लक्ष्मी माता की

(ग) दुर्गा देवी की (घ) पार्वती माँ की

(iv) जीवन के सुख–समृद्धिमय होने का कारण है,–

(क) व्यक्ति का परिश्रम

(ख) लक्ष्मी का आगमन

(ग) नर–नारियों का पारस्परिक स्नेह

(घ) राष्ट्र की उन्नति

(v) 'जगमग–जगमग जग है सारा' में अलंकार है –

(क) उपमा (ख) यमक

(ग) श्लेष (घ) अनुप्रास

खण्ड–ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निम्नलिखित वाक्यों के रचना के आधार पर भेद लिखिए –** 3

(क) प्रयत्न करने पर सभी कार्य सरल लगने लगते हैं।

(ख) वह घर पर बेकार बैठा रहता है और काम से जी चुराता है।

(ग) वह घर से तभी आया था जब आपने उसे अपनी पुस्तक दी थी।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

6	**निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए ।** (क) असुर सदा सुरों को सताते रहे हैं। (कर्मवाच्य में) (ख) जयचंद द्वारा पृथ्वीराज को धोखा दिया गया था। (कर्तृवाच्य में) (ग) सुरेन्द्र से ज़्यादा नहीं चला जाता। (कर्तृवाच्य में) (घ) छात्राएँ ज़्यादा देर चुप नहीं बैठतीं। (भाववाच्य में)	4
7	**निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।** (क) आज बगीचे में <u>मनमोहक</u> फूल खिले थे। (ख) शीतकाल में <u>हिमालय</u> बर्फ़ से ढका होता है। (ग) न राम घर में/पर मिला <u>और</u> न उसके पिताजी। (घ) घोड़ा बहुत <u>तेज़</u> दौड़ रहा था।	4
8	निर्देशानुसार उत्तर दीजिए (क) 'करुण' और 'रौद्र' रसों के स्थायी भाव लिखिए। (ख) नीचे लिखी पंक्तियों में कौन-सा रस है? लिखिए। (i) दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब बड़े साँझ आल्हा गाता है, पहला स्वर उसकी राधा को, घर से यहाँ खींच लाता है। (ii) जाकी छोति जगत कउ लागै, ता पर तुहीं ढरै। नीचहु ऊँच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै।।	4
	खण्ड-ग **(पाठ्य-पुस्तक)**	
9	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)** डॉ. सत्यप्रकाश ने भी अपनी श्रद्धांजलि में उनके अनुकरणीय जीवन को नमन किया। फिर देह कब्र में उतार दी गई...। मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा। लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी। (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।)	5

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हम में से सबसे अधिक छायादार फल–फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की दिव्य चमक में लहलहाता खड़ा था। जिसकी स्मृति हम सबके मन में जो उनके निकट थे किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी। मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ। (क) ''नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है'' का भाव स्पष्ट कीजिए। (ख) गद्यांश में किस महापुरुष की अंत्येष्ठि का वर्णन है ? वे और उनका जीवन अनुकरणीय क्यों था ? मात्र दो पंक्तियों में लिखिए। (ग) ''सबसे अधिक छायादार, फल–फूल गंध से भरा'' का आशय स्पष्ट कीजिए।	
		निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-	
	10(i)	नवाब साहब के द्वारा खीरा खाने के अनुरोध को लेखक ने स्वीकार क्यों नहीं किया? लेखक की अस्वीकृति के औचित्य–अनौचित्य के विषय में अपने विचार व्यक्त कीजिए।	2
	(ii)	हालदार साहब के विचार से देश को स्वतंत्र कराने वाले लोग कैसे थे और उनका उपहास करने वाले आज के देशवासी कैसे हो गए हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।	2
	(iii)	''मानवीय करुणा की दिव्य चमक'' शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।	2
	(iv)	कैसे कहा जा सकता है कि बालगोबिन भगत जीवन के अन्तिम क्षणों में भी अपने नियम–व्रत का निरंतर पालन करते रहे। उदाहरणों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	2
	(v)	बालगोबिन भगत ने अपने पुत्र के क्रिया–कर्म में कोई तूल न करके हमारे समाज के रूढ़िवादी वर्ग को क्या संदेश दिया	2

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

	है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।		
11	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (2+2+1)** यह विडंबना ! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं। भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं। उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की। अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की। मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया। आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया। (क) कवि किसे विडंबना मानते हैं और किन बातों को - भूल ही जाना चाहते हैं ? (ख) कवि के अनुसार उनकी कौन-सी गाथा उज्ज्वल और सुंदर है ? उसे वे क्यों बताना नहीं चाहते। (ग) कवि को अपने जीवन में किस बात की पीड़ा रही जिसे वे ''मिला कहाँ वह सुख'' कह कर व्यक्त करते हैं ?	5
12(i)	आपके द्वारा पठित सूरदास के पदों में किस रस की प्रधानता है ? इसमें कौन-कौन प्रमुख पात्र हैं ?	2
(ii)	कवि बादल से ''वज्र छिपा, नूतन कविता फिर भर दो,'' क्यों और किस प्रयोजन से कहते हैं ? बताइए।	2
(iii)	''फटिक सिलानि सौं सुधार्‍यौ सुधा मंदिर'' में प्रयुक्त अलंकार का उल्लेख करते हुए इस पंक्ति का काव्य -सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।	2
(iv)	''यह दंतुरित मुसकान पाठ में बाल-मनोविज्ञान की छबियाँ बड़ी अनुपम हैं।'' कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।	2
(v)	कवि प्रसाद को लंबे कालचक्र में क्या छिपा हुआ दिखाई देता है ? उनके अनुसार 'अनंत-नीलिमा' और 'जीवन	2

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		इतिहास' दोनों का परस्पर क्या संबंध है ? स्पष्ट कीजिए।	
	13	''जॉर्ज पंचम की नाक'' पाठ के आधार पर लिखिए कि किसके आगमन की खबर से राजधानी में तहलका मचा था? यह हमारे देश की किस मानसिकता का द्योतक है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?	5
		खण्ड–घ **(लेखन)**	
		दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।	
	14(i)	**महानगरीय जीवन** • प्रस्तावना • महानगर–स्वरूप और स्थिति • विविध गतिविधियाँ • मध्य वर्ग की स्थिति • विभिन्न कठिनाइयाँ • उपसंहार	10
		अथवा	
	(ii)	**मधुर वचन है औषधि** • प्रस्तावना • बोलते समय सावधानी–वचन का महत्त्व • मधुर बोलने से लाभ • मधुर वचन और स्वास्थ्य	10

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		● उपयोगिता – उपसंहार	
		अथवा	
	(iii)	**पर्यावरण प्रदूषण** ● प्रस्तावना ● विविध प्रदूषण ● प्रदूषण के कारण ● बचाव के उपाय ● उपसंहार	10
	15	त्योहार के दिनों में मिठाइयों में हो रही मिलावट के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखें तथा उचित कदम उठाने के लिए कहें।	5
	16	**निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और लगभग एक तिहाई शब्दों में उसका सार लिखिए।** मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने एक पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से-उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम-से-उत्तम उपाय चित्त को प्रसन्न रखना माना गया है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है। एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है। डॉक्टर हस्फलेंड ने एक पुस्तक में आयु बढ़ाने के कुछ उपाय लिखे हैं। वह लिखता है कि हँसी पाचन के लिए बहुत उत्तम चीज है, इससे अच्छी औषधि और नहीं है। एक रोगी ही नहीं, सबके लिए हँसी बहुत ही काम की वस्तु है।	5
		-o0o0o0o-	

http://jsuniltutorial.weebly.com/

HKSMQUD

MARKING SCHEME
SUMMATIVE ASSESSMENT – I (2014-15)
HINDI – A   Class – X

General Instructions:

1. The Marking Scheme provides general guidelines to reduce subjectivity and maintain uniformity. The answers given in the marking scheme are the best suggested answers.

2. Marking be done as per the instructions provided in the marking scheme. (It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration).

3. Alternative methods be accepted. Proportional marks be awarded.

4. If a question is attempted twice and the candidate has not crossed any answer, only first attempt be evaluated and 'EXTRA' be written with the second attempt.

5. In case where no answers are given or answers are found wrong in this Marking Scheme, correct answers may be found and used for valuation purpose.

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

	खण्ड–क **(अपठित बोध)**	
1		5
2		5
3		5
4		5
	खण्ड–ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	
5		3
6		4
7	(क) मनमोहक– गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'फूल' विशेष्य (ख) हिमालय – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, 'ढका है' क्रिया से संबद्ध (ग) और – समानाधिकरण, समुच्चयबोधक, दो वाक्यों का योजक (घ) तेज़ – रीतिवाचक क्रियाविशेषण, दौड़ रहा है क्रिया का विशेषण	4

http://jsuniltutorial.weebly.com/

8	(क) शोक; क्रोध (ख) (i) शृंगार (संयोग) (ii) शांत रस	4
	खण्ड-ग **(पाठ्य-पुस्तक)**	
9	(क) आँसू भरी आँखों से श्रद्धांजलि देने वाले अगणित थे, गिनती करना आसान न था। (ख) फ़ादर कामिल बुल्के - हिंदी के प्रसिद्ध लेखक, समालोचक, विद्वान तथा कोशकार, सादा, कर्मठ, विद्वान, योग्य शिक्षक, मिशनरी पादरी, भारत में भारतीय बनकर रहे, यहीं की मिट्टी में समा गए। विदेशी होते हुए हिंदी के समर्थक साहित्यकार। रामकथा पर महत् शोधकार्य किया। (ग) गहन अध्ययनशील, प्रत्येक के प्रति दयावान, सहज-प्रेमी, आकर्षक, स्नेहपूर्ण व्यक्तित्त्व।	5
	निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-	
10(i)	''शुक्रिया, इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही मेदा भी जरा कमजोर है, किबला शौक फरमाएँ'' अर्थात् उसी लखनवी अंदाज़ में उत्तर दिया। (शेष छात्र का अपना मत)	2
(ii)	देशहित में जीवन, युवावस्था, घर गृहस्थ बरबाद करने वाले, बलिदानी, आज स्वार्थी, भौतिकवादी, देशहित से विमुख।	2
(iii)	रगों में दूसरों के लिए मिठास, प्रभु में आस्था, ममता एवं अपनत्व की साकार प्रतिमा, संकल्पशील, निर्लिप्त. वत्सल	2

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

		हृदय, सात्विक प्रकृति आदर के कारण ‘मानवीय ..शीर्षक सार्थक	
(iv)		गंगास्नान, जवानी वाली टेक, दोनों समय गीत, ध्यान, खेतीबारी की देखभाल	2
(v)		आँगन में चटाई पर लिटाया, सफेद कपड़े से ढ़का आंगन में रोपे हुए पौधों से फूल लाए ऊपर बिखरा दिए सिरहाने चिराग जलाकर रख दिया। स्वयं जमीन पर आसन जमाकर भजन गाने बैठ गए। गायन में तल्लीन। मृत्यु के अवसर पर भारतीय समाज के प्रचलित बहुत से रीति-रिवाजों में विश्वास करने वालों को सादेपन का संदेश।	2
11		(क) सरलता के उपहास या हँसी उड़ाने को; प्रवंचनाओं और धोखेबाजी की घटनाओं को। (ख) आमोद-प्रमोद, प्रेम तथा अनुराग के - क्षणों के प्रसंगों को। (ग) कवि को जीवन में शांति-सुख का अभाव और प्रियामिलन, यही विषमता, पीड़ा भी, सुख के क्षण आते-आते लुप्त हो गए।	5
12(i)		शृंगार(विप्रलंभ) गोपियाँ जो वियोग संतप्त हैं तथा श्रीकृष्ण (जो आलंबन हैं)जिनसे वे प्रेम करती हैं।	2
(ii)		कवि बादल को अपनी क्रांतिकारी छवि को छुपाकर (हृदय में रखते हुए), नई चेतना तथा क्रांति हेतु आमंत्रित करते हैं।	2

JSUNIL TUTORIAL Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(iii)	अनुप्रास, शरद ऋतु की शुभ चाँदनी में आकाश की शोभा का वर्णन है जो अतिशयोक्तिपूर्ण होने के साथ अद्भुत कल्पना से युक्त है, शब्दावली भी ठेठ परिष्कृत ब्रजभाषा है जो वर्ण्य-विषय के अनुकूल बन पड़ी है।	2
(iv)	''यह दंतुरित मुसकान'' पाठ में बाल मनोविज्ञान की छबियाँ बहुत अनोखी हैं-कथन की सार्थकता यों तो स्वत:सिद्ध है पर नए दाँतों वाले बच्चे की मुसकान, आकर्षक, चितवन, स्पर्श, आँखें, मिलाकर देखना, टकटकी लगाकर और कनखियों से देखना आदि दृश्यों का रूपांकन कवि की विशिष्ट बाल वर्णन-क्षमता का द्योतक आर प्रमाण है।	2
(v)	लंबे कालचक्र में विगत विस्तृत इतिहास छिपा है। समय और भूमि के अंतहीन विस्तार में अनेक जीवनों की विगत बातें लीन हो गई।	2
13	रानी एलिज़ाबेथ द्वितीय (इंग्लैंड पति के साथ) कर्नाट प्लेस, सड़कों तथा अन्य भवनों की मरम्मत, अखबारों में ताजे समाचार, रानी तथा उनके पति के स्वागत में। गुलामी की मानसिकता का प्रतीक क्योंकि हम इंग्लैंड के 200 वर्षों तक पराधीन थे । (शेष छात्र स्वयं)	5
	खण्ड-घ **(लेखन)**	
	दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए।	

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/

14(i)	**प्रस्तावना – उपसंहार** **विषयवस्तु – प्रस्तुति** **भाषा**	– – –	**2** **6** **2**	10
		अथवा		
(ii)	**प्रस्तावना – उपसंहार** **विषयवस्तु – प्रस्तुति** **भाषा**	– – –	**2** **6** **2**	10
		अथवा		
(iii)	**प्रस्तावना – उपसंहार** **विषयवस्तु – प्रस्तुति** **भाषा**	– – –	**2** **6** **2**	10
15	प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ विषय – वस्तु भाषा	1½ 2½ 1		5
16	**विषयवस्तु-समावेशी-संक्षिप्तीकरण** **एक तिहाई आकार परक लेखन** **भाषा – कौशल**	– – –	**3 अंक** **1 अंक** **1 अंक**	5

JSUNIL TUTORIAL
Chase Excellence

http://jsuniltutorial.weebly.com/